निष्पक्ष और निर्भीक खबरों का प्रतीक
नेशनल प्रहरी
NEWS
-Newspaper -Online Web Portal

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

By **Poonam Sagar** - May 1, 2023 260 0

बल्लभगढ़ (नेशनल प्रहरी/ रघुबीर सिंह)। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में 1 मई को राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा "भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजनीतिक विचारकों के योगदान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के मार्गदर्शन व नेतृत्व में किया गया। इस सम्मेलन को महानिदेशक उच्च शिक्षा, हरियाणा द्वारा अनुमोदित किया गया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने की। कार्यक्रम का प्रारंभ दीपशिखा प्रज्ज्वलन एवं पौधा देकर अतिथियों के सत्कार के साथ हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सम्मेलन एक मंच प्रदान करेगा और शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और छात्रों के बीच बातचीत को सक्षम करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम में हमारे महान राजनीतिक विचारकों, कार्यकर्ताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान पर चर्चा और प्रशंसा करना है।
उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फरीदाबाद के निदेशक व सेवानिवृत्त प्राचार्य डीएवी शताब्दी महाविद्यालय से डॉ. सतीश आहूजा रहे । जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजनीतिक विचारकों के योगदान का अध्ययन करने से हमें अपने देश के इतिहास को समझने में मदद मिलती है। उन्होंने मां सरस्वती के सात रूप-पानी, वाणी, समय, शब्द, संगीत, ज्ञान व वाक्पटुता पर विस्तार से चर्चा की । उन्होंने रविंद्रनाथ टैगोर, लोकमान्य तिलक, गंगाधर राव, दयानंद सरस्वती, महात्मा हंसराज इत्यादि विचारकों और चिंतकों के विचारों से मां सरस्वती के सात रूपों को अपनाने व जीवन में उतारने पर चर्चा की ।
बीज वक्ता डॉ. चारु माथुर, एसोसिएट प्रोफेसर, आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से रहीं । इन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के राजनीतिक विचारकों द्वारा प्रतिपादित विचार और सिद्धांत आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने चाणक्य नीति, मनुस्मृति, मार्क्सवाद, गैलीलियो, राजा राममोहन राय के पुनर्जागरण, दयानंद सरस्वती के आर्य समाज और वेदों की ओर लौटो, विवेकानंद का आध्यात्मिक विचार, महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले की स्त्री शिक्षा और जाति प्रथा, पंडिता रमाबाई, दादाभाई नौरोजी, लाल-बाल-पाल, अरविंद घोष, महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, डॉ. भीमराव अंबेडकर, इकबाल, नेहरू, जयप्रकाश नारायण, जय प्रकाश लोहिया इत्यादि राजनीतिक विचारकों के ऋणी हैं इन्हीं के पथ पर चलकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं पर अपने विचार प्रस्तुत किए।
सम्मेलन की विषयवस्तु और उद्देश्यों को सम्मेलन की संयोजिका डॉ. रितु ने प्रस्तुत किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि राजनीतिक सिद्धांतकारों ने भारतीय स्वतंत्रता के आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता की लड़ाई महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस, डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल और कई अन्य लोगों से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित थी।
आज के इस शुभ अवसर पर पुस्तक विमोचन किया गया जिसका शीर्षक "Contribution of Political Thinkers in Indian Freedom Struggle" रहा । विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञों और शिक्षाविदों की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ।
प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. रानी सांगवान, एसोसिएट प्रोफेसर, सरस्वती महिला महाविद्यालय, पलवल ने की और आमंत्रित वक्ता डॉ. निर्मला सिंह, प्रोफेसर, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान ने डिजिटल माध्यम से की। इन्होंने विस्तार से बताया कि राष्ट्रवाद, न्याय, धर्मनिरपेक्षता, सामुदायिक विकास और अधिकारों जैसे भारतीय राजनीतिक विचारकों के आदर्शों का सम्मान करके आजादी का अमृत काल मनाने में मदद की। इसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को महिमामंडित करने में भी मदद की और शिक्षाविदों और विशेषज्ञों को एक साथ आने और भारतीय स्वतंत्रता में राजनीतिक विचारकों के योगदान पर चर्चा की।
दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. राजकुमार, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने की और आमंत्रित वक्ता प्रो. राधिका कुमार, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय रहे। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता में राजनीतिक विचारकों के योगदान पर चर्चा करने के लिए भारत को और अधिक समृद्ध बनाने के लिए यह आज भी प्रासंगिक है। हमारे इतिहास को समझने, प्रेरणा प्राप्त करने, महत्वपूर्ण सोच कौशल विकसित करने और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए संघर्षशील रहेंगे।स्वतंत्रता के बाद भारत को एकीकृत करने में पटेल का महत्वपूर्ण योगदान था, जबकि अम्बेडकर ने कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी और भारतीय संविधान के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। इन राजनीतिक दार्शनिकों ने भारत की स्वतंत्रता के संघर्ष में सहायता की और आज भी देश पर प्रभाव है।
समापन सत्र में प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत अध्यक्ष रहे और डॉ. राजकुमार, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से मुख्य अतिथि रहे। इन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में राजनीतिक विचारकों की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए।

संगोष्ठी का सार आयोजन सचिव उदिता कुंडू द्वारा प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी में भारत के विभिन्न राज्यों एवं क्षेत्रों से आए हुए 62 प्रतिभागियों ने अपनी सक्रिय प्रतिभागीदारिता निभाई और शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया। संगोष्ठी में अन्य महाविद्यालयों से आये विद्यार्थियों एवं प्रवक्ताओं ने संस्तुति एवं फीडबैक दिए। धन्यवाद ज्ञापन और मंच संचालन डॉ० सुप्रिया ढांडा द्वारा किया गया । कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजिका डॉ. रितु, सह-संयोजक डॉ. रामचंद, आयोजन सचिव उदिता कुंडू, मैडम कमल टंडन, डॉ. के.एल. कौशिक, डॉ. मनोज शुक्ला, डॉ.नरेश कामरा डॉ. पूजा सैनी, डॉ. देवेंद, सुभाष, लवकेश इत्यादि का विशेष योगदान रहा।
अग्रवाल महाविद्यालय ने ज्ञानोत्सव 2023 में निबंध लेखन प्रतियोगिता और पावरप्वाइंट प्रस्तुति में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, हरियाणा प्रांत के तत्वाधान में ज्ञानोत्सव 2023 का आयोजन सनातन धर्म महाविद्यालय अंबाला छावनी में 29-30 अप्रैल 2023 को किया गया। इस ज्ञानोत्सव के आयोजन का दायित्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उत्तर क्षेत्र के प्रचारक श्री जगराम जी को दिया गया। इस कार्यक्रम में हरियाणा प्रांत के अलग-अलग जिलों से बहुत सारे विद्यालय तथा महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया। इस वर्ष ज्ञानोत्सव का विषय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में शिक्षा में आत्मनिर्भरता पर चिंतन रहा। ज्ञान के इस उत्सव में विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर भिन्न-भिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की M.A. हिंदी की प्रथम वर्ष की छात्रा रितु ने ज्ञानोत्सव में आयोजित राज्यस्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं की एक और श्रृंखला, विद्यालय तथा महाविद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में शिक्षा में नवाचार पर आधारित पावरप्वाइंट प्रस्तुति पावरप्वाइंट प्रस्तुति में महाविद्यालय की ओर से डॉ. देवेंद ने प्रतिभागिता की। इस प्रस्तुति में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत के दिशा निर्देशन और मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के हित के लिए चलाए जा रहे । कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया और महाविद्यालय ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रस्तुति में शिक्षा में नवाचारों का तीन बिंदुओं पर वर्गीकरण किया गया, जो कि सभागार में आकर्षण का केंद्र रहे। इसमें सर्वप्रथम महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के लिए किए जा रहे प्रयास, दूसरा छात्र-छात्राओं में भारतीय ज्ञान प्रणाली का विकास तथा तीसरा बिंदु सामाजिक जुड़ाव हेतु कार्यक्रमों पर आधारित रहा।